

मुझे पकड़ो अगर तुम कर सकते हो - टॉम अलेक्सांद्रोविच का मामला

2 से 7 अगस्त 2025 तक, जब **ब्लैक हैट यूएसए साइबरसुरक्षा सम्मेलन** मांडले बे में चल रहा था, नेवादा के कानून प्रवर्तन ने ऑनलाइन बाल शिकारियों को निशाना बनाकर एक बहु-एजेंसी ऑपरेशन चलाया। **नेवादा इंटरनेट क्राइम्स अगेंस्ट चिल्ड्रन (ICAC) टास्क फोर्स**, FBI, होमलैंड सिक््योरिटी इन्वेस्टिगेशंस, लास वेगास मेट्रोपॉलिटन पुलिस डिपार्टमेंट और हेंडरसन पुलिस के साथ मिलकर, ऑनलाइन नाबालिग बच्चों के रूप में प्रस्तुत हुए, आपत्तिजनक चैट लॉग्स इकट्ठा किए और इरादे की पुष्टि करने के लिए मुलाकातें आयोजित कीं।

आठ पुरुषों को गिरफ्तार किया गया। इनमें **टॉम आर्टियोम अलेक्सांद्रोविच**, एक वरिष्ठ इजरायली साइबर अधिकारी शामिल थे, जो सम्मेलन में भाग ले रहे थे। उन्हें 6 अगस्त 2025 को **हेंडरसन डिटेंशन सेंटर** में बुक किया गया और **NRS 201.560** के तहत **कंप्यूटर का उपयोग करके बच्चे को यौन कृत्य के लिए लुभाने** का आरोप लगाया गया, जो एक **श्रेणी B अपराध** है, जिसमें **1-10 साल की जेल** और **10,000 डॉलर तक का जुर्माना** हो सकता है।

लास वेगास में इस तरह के ऑपरेशन आम हैं - 2024 में एक ऑपरेशन में इसी तरह के आरोपों में 18 पुरुषों को गिरफ्तार किया गया था। यहाँ असामान्य बात एक संदिग्ध का प्रोफाइल था: एक व्यक्ति जो इजरायल की राष्ट्रीय साइबर रक्षा की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार था और जो दो सप्ताह से भी कम समय में इजरायल वापस लौट गया।

टॉम अलेक्सांद्रोविच कौन है?

अलेक्सांद्रोविच कोई मामूली नौकरशाह नहीं था। वह **इजरायल नेशनल साइबर डायरेक्टरेट (INCD)** के भीतर **टेक्नोलॉजिकल डिफेंस डिवीजन** का प्रमुख था, जो सीधे प्रधानमंत्री कार्यालय के अधीन काम करता है।

- उन्होंने **साइबर डोम** को डिज़ाइन करने में मदद की, जो इजरायल का महत्वाकांक्षी AI-संचालित साइबर रक्षा प्रणाली है, जिसे आयरन डोम मिसाइल रक्षा ढाल के मॉडल पर बनाया गया है।
- उन्हें उनके योगदान के लिए **इजरायल डिफेंस प्राइज़** से सम्मानित किया गया।
- उन्होंने प्रधानमंत्री **बेंजामिन नेतन्याहू** और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को साइबर रक्षा, AI रणनीति और राष्ट्रीय लचीलापन पर सलाह दी।
- उनकी लिंकडइन प्रोफाइल (गिरफ्तारी के तुरंत बाद हटाई गई) में उन्हें एक कार्यकारी निदेशक और साइबरसुरक्षा नेता के रूप में वर्णित किया गया था, जिनके पास राज्य के रहस्यों तक व्यापक पहुंच थी।

इजरायल की **निवारक सुरक्षा** सिद्धांत को देखते हुए, यह मानना उचित है कि अलेक्सांद्रोविच का दायित्व केवल रक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि यह **आक्रामक सूचना संचालन** तक भी विस्तारित था। इजरायल की साइबर इकाई मेटा, गूगल और X के साथ **सामग्री हटाने के अनुरोधों** को समन्वय करने के लिए जानी जाती है, जो कथित तौर पर उकसावे से लड़ने के लिए है, लेकिन व्यवहार में अक्सर इजरायल के लिए प्रतिकूल राजनीतिक सामग्री को दबाने के लिए।

इजरायल के **AI मास्टरमाइंड** के रूप में, अलेक्सांद्रोविच संभवतः **इन सेंसरशिप सिस्टम के स्वचालन** में शामिल थे - एक प्रकार की डिजिटल हसबारा, या कथानक प्रबंधन, जिसे आतंकवाद विरोधी उपाय के रूप में प्रस्तुत किया गया। इससे वह न केवल एक साइबर रक्षक बन गए, बल्कि **इजरायल की ऑनलाइन प्रभाव अभियानों के रणनीतिक संरक्षक** भी बन गए।

जमानत की शर्तें - क्या होना चाहिए था

नेवादा कानून के अनुसार, जमानत को निम्नलिखित को प्रतिबिंबित करना चाहिए:

- **अपराध की गंभीरता:** बच्चों को लुभाना एक गंभीर अपराध है; जमानत अक्सर बहुत अधिक निर्धारित की जाती है या पूरी तरह से अस्वीकार कर दी जाती है।
- **सबूतों की मजबूती:** स्टिंग ऑपरेशन आमतौर पर ठोस डिजिटल रिकॉर्ड उत्पन्न करते हैं, जिसमें चैट लॉग और इरादे के सबूत शामिल हैं।
- **भागने का जोखिम:** अलेक्सांद्रोविच का नेवादा से कोई संबंध नहीं था, वह इजरायल में रहता था और उसके पास जल्दी से चले जाने के साधन थे।
- **वित्तीय संसाधन:** जमानत इतनी अधिक होनी चाहिए कि वह अभियुक्त के लिए महत्वपूर्ण हो; जो एक नेवादा के मजदूर वर्ग के व्यक्ति को रोकता है, वह एक धनी विदेशी अधिकारी के लिए मामूली राशि नहीं होनी चाहिए।

एक औसत अभियुक्त के लिए, ऐसे मामलों में जमानत **50,000-150,000 डॉलर** हो सकती है, जिसमें शर्तें शामिल हैं जैसे: - **सभी पासपोर्ट और यात्रा दस्तावेजों का समर्पण - इलेक्ट्रॉनिक निगरानी - नेवादा के भीतर भौगोलिक प्रतिबंध - कभी-कभी जमानत का पूर्ण इनकार**

इसके बजाय, अलेक्सांद्रोविच को **उनकी गिरफ्तारी के अगले दिन 10,000 डॉलर की जमानत** पर रिहा कर दिया गया।

यह कोई महत्वपूर्ण निवारक नहीं था। अलेक्सांद्रोविच की वास्तविक आय लगभग निश्चित रूप से **300,000-600,000 USD प्रति वर्ष** के दायरे में थी, यदि इससे अधिक नहीं – जो सरकारी वेतन के लिए प्रकाशित औसत से कहीं अधिक है। कई इजरायली साइबर अधिकारियों की तरह, उन्होंने संभवतः अपनी सरकारी तनखाह को **परामर्श, उद्योग संबंधों या रक्षा ठेके में अप्रत्यक्ष भागीदारी** के माध्यम से पूरक किया। उनके लिए, 10,000 डॉलर कोई वित्तीय बाधा नहीं थी; यह एक कम आय वाले कार्यकर्ता के लिए **ट्रेफिक टिकट** के बराबर था।

इससे भी बदतर, कोई सार्वजनिक रिकॉर्ड नहीं है जो यह दर्शाता हो कि **उनका पासपोर्ट जब्त किया गया था**। इससे दो संभावनाएँ सामने आती हैं: 1. **उन्हें अपने इजरायली पासपोर्ट को रखने की अनुमति दी गई**, जो एक स्पष्ट चूक थी क्योंकि वह स्पष्ट रूप से भागने का जोखिम था। 2. **यदि उनका पासपोर्ट समर्पित किया गया था**, तो इजरायली दूतावास उन्हें एक **आपातकालीन यात्रा दस्तावेज** जारी कर सकता था।

किसी भी तरह, उनकी प्रस्थान को रोका जा सकता था यदि अमेरिकी अधिकारियों ने उन्हें **नो-फ्लाई लिस्ट** में डाला होता। ऐसा कभी नहीं हुआ। 17 अगस्त तक, वह इजरायल वापस लौट चुके थे – नेवादा के अभियोजकों को पहली महत्वपूर्ण सुनवाई की तैयारी करने का समय मिलने से पहले ही चले गए।

इजरायल का हित

इजरायल ने इतनी जल्दी क्यों कार्रवाई की? क्योंकि अलेक्सांद्रोविच सिर्फ एक नौकरशाह से कहीं अधिक थे।

- वह **साइबर डोम की संरचना** और इसके द्वारा संरक्षित कमजोरियों को जानते थे।
- उन्होंने नेतन्याहू को **AI रणनीति और राष्ट्रीय लचीलापन** पर सलाह दी।
- उनके पास संभवतः **ऑनलाइन सेंसरशिप तंत्रों का गहन ज्ञान** था, जिनका उपयोग इजरायल विदेशों में सार्वजनिक धारणा को आकार देने के लिए करता है।
- उनके पास **इजरायल के साइबर गठबंधनों** के बारे में जानकारी थी, जिसमें अमेरिका और अन्य शामिल थे।

इजरायल के लिए, एक वरिष्ठ साइबर रणनीतिकार का नेवादा जेल में बैठना, जो संभावित रूप से पूछताछ, लीक या सौदा करने के लिए कमजोर हो सकता है, असहनीय था।

सरकार की प्रतिक्रिया बहुत कुछ बयान करती थी। अधिकारियों ने शुरू में दावा किया कि उन्हें केवल “पूछताछ” के लिए बुलाया गया था, न कि गिरफ्तार किया गया, और वह “निर्धारित समय के अनुसार” लौट आए। बाद में ही साइबर निदेशालय ने स्वीकार किया कि उन्हें “पारस्परिक निर्णय” से अवकाश पर रखा गया था। विरोधाभास एक समन्वित प्रयास को दर्शाते हैं ताकि **वास्तविकता को कम करके और अस्पष्ट किया जाए**।

व्यापक निहितार्थ

अलेक्सांद्रोविच का मामला एक व्यक्ति से कहीं अधिक है। यह **न्याय, कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा** के असहज चौराहे को उजागर करता है।

- **न्याय:** उनकी स्थिति में एक सामान्य अभियुक्त को उच्च जमानत, निगरानी और मुकदमे का सामना करना पड़ता। अलेक्सांद्रोविच एक रात जेल में रहने के बाद मुक्त हो गए।
- **कूटनीति:** क्या उदार जमानत केवल एक न्यायिक चूक थी, या **इजरायली और अमेरिकी अधिकारियों द्वारा पर्दे के पीछे कूटनीतिक चैनलों** का परिणाम था जो एक घोटाले से बचना चाहते थे?
- **गोपनीयता:** यदि अलेक्सांद्रोविच अमेरिकी हिरासत में रहते, तो वह – चाहे दबाव में, गलती से, या सौदा वार्ता में – **इजरायल के साइबर हसबारा अभियानों** के विवरण प्रकट कर सकते थे, जिससे यह उजागर होता कि सामग्री हटाने और सेंसरशिप को पर्दे के पीछे कैसे प्रबंधित किया जाता है।

इसके अलावा, नजीर भी मौजूद है। इजरायल का विदेशों में अपराधों के लिए आरोपित नागरिकों को संरक्षण देने का लंबा इतिहास है: - **सैमुअल शेनबीन (1997):** अमेरिका में हत्या के आरोप के बाद इजरायल भाग गए; इजरायल ने प्रत्यर्पण से इनकार कर दिया। - **माल्का लेइफर:** ऑस्ट्रेलिया में बाल यौन शोषण का आरोप; इजरायल से प्रत्यर्पण के खिलाफ एक दशक से अधिक समय तक लड़ी। - **साइमन लेविएव ("टिंडर स्विंडलर"):** यूरोप में धोखाधड़ी के आरोपों से बच गए, रिटर्न के कानून द्वारा संरक्षित।

इस प्रकाश में, अलेक्सांद्रोविच की इजरायल वापसी कम संयोग और अधिक **एक अच्छी तरह से स्थापित पैटर्न** की तरह दिखती है।

निष्कर्ष: कौन किसका शासन करता है?

साधारण लोगों के लिए, लास वेगास में स्टिंग ऑपरेशन उच्च जमानत, पासपोर्ट समर्पण और लंबी कानूनी लड़ाइयों के साथ समाप्त होते हैं। अलेक्सांद्रोविच के लिए, यह हेंडरसन डिटेंशन सेंटर में एक रात की रिहाइश, 10,000 डॉलर की जमानत और घर के लिए एक तेज उड़ान थी।

यह असमानता एक बड़ा, परेशान करने वाला सवाल उठाती है: **अमेरिका की संप्रभुता कहाँ समाप्त होती है और विदेशी प्रभाव कहाँ शुरू होता है?**

जब एक उच्च-प्रोफाइल विदेशी अधिकारी – जिसे राज्य के रहस्य सौंपे गए हैं और ऑनलाइन सेंसरशिप सिस्टम डिज़ाइन करने का संदेह है – इतनी आसानी से अमेरिकी न्याय प्रणाली से बच सकता है, तो यह सुझाव देता है कि **भूराजनीति न्याय पर हावी हो जाती है।**

अंततः, टॉम अलेक्सांद्रोविच का मामला केवल एक स्टिंग ऑपरेशन में आरोपित व्यक्ति के बारे में नहीं है। यह उस असहज वास्तविकता के बारे में है कि जब राज्य के रहस्य और शक्तिशाली गठबंधन दांव पर हों, तो **न्याय सौदेबाजी योग्य हो जाता है, जमानत प्रतीकात्मक हो जाती है, और कानून का शासन राजनीतिक दबाव के तहत झुक जाता है।**